राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 10 अगस्त • 2024

मूंगफली में अंडों से ढाई व फलों से 8 गुना ज्यादा प्रोटीन

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ. महक सिंह ने मूंगफली की फसल के प्रबंधन के संबंध में एक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि किसान मूंगफली की फसल का वैज्ञानिक दृष्टि से प्रबंधन करें, इससे वह अधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने मूंगफली के गुण गिनाते हुए कहा कि इसमें प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडों से 2.5 गुना एवं फलों से 8 गुना अधिक होती है। साथ ही लाभदायक वसा, फाइबर, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

मूंगफली की फसल। फोटो : एसएनबी

डॉ. सिंह ने कहा कि मूंगफली के दानों में 25 से 30 प्रतिशत प्रोटीन, 10 से 12 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55 प्रतिशत वसा पाया जाता है। मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा, फाइबर, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 30 से 35 दिनों की हो गई होगी। यदि फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें। यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूंटियां बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खूंटियां निकल रही हो तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है।

उन्होंने कहा कि मूंगफली फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके नियंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैंकोजेब 50 डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है।

सत्य का असर समाचार पत्र

10,08,2024 jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

सत्य का असर समाचार पत्र पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

मूंगफली फसल का किसान करें वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन:- डॉ महक सिंह

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34% की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30% प्रोटीन,10 से 12% कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55% वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 30 से 35 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50% डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोरपीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें।जब मूंगफली के अंदर का भाग कत्थई रंग का दिखाई दे तो खुदाई का उपयुक्त समय होता है।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे मनीष... 12

अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई...

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 296
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

शनिवार | 10 अगस्त, 2024

फास्ट फॉरवर्ड

मूंगफली की खेती पर किसानों को दी अहम जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ.महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसल के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34 फीसदी की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ. महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30 फीसदी प्रोटीन,10 से 12 फीसदी कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55 फीसदी वसा पाई जाती है। उन्होंने किसानों से इस समय मूंगफली की खेती को लगभग 30 से 35 दिनों की होने तथा फसल में खरपतवारों की समस्या होने पर निराई गुड़ाई करने व खूंटियां निकालने पर जिप्सम का प्रयोग करने की अपील की। जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोत्तरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का बीमारी होने पर फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50 फीसदी डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74.755g
चांदी 91.150kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्ष का मौन

क्रति सेनन की रांझणा बनेंगे ध

वर्ष :10 अंक :190 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , शनिवार 10 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

मूंगफली फसल का किसान करें वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन:डॉ महक सिंह

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34% की भागीदारी है।उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है।जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है।डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30% प्रोटीन,10 से 12% काबोर्हाइड्रेट तथा 45 से 55% वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 30 से 35 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें।इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोजेब 50% डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोरपीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 43 कानपुर, शनिवार 10 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मूंगफली फसल का किसान करें वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन:डॉ महक सिंह

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34त्न की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30त्न प्रोटीन,10 से 12त्न कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55त्न वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की

तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 30 से 35 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50त्न डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोरपीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें।जब मूंगफली के अंदर का भाग कत्थई रंग का दिखाई दे तो खुदाई का उपयुक्त समय होता है।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-222 शनिवार, 10 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य- 2 ₹

मूंगफली फसल का किसान करें वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन–डॉ महक सिंह

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज अनुबांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34ज्ञ की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30ज्ञ प्रोटीन,10 से 12ज्ञ कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55ज्ञ वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 30 से 35 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके नियंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50ज्ञ डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोरपीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें।जब मूंगफली के अंदर का भाग कत्थई रंग का दिखाई दे तो खुदाई का उपयुक्त समय होता है।

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक रामनरेश सिंह चौहान द्वारा जैन प्रिंटर्स अलीगंज, एटा से मुद्रित करवाकर ग्राम गढ़िया, नरसू पोस्ट हथौड़ा वन एटा से प्रकाशित। 9411932483 फ़ोन नंबर 05740 29011109 -उपसंपादक सौरभ गुप्ता, नंबर 9719875356,
प्रबंध संपादक अनूप सिंह चौहान 9760714216 Email:rahasyasandeshm@gmail.com नोट-समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेख इत्यादि से संपादक सहमत होना आवश्यक नही है, और कोई भी कानूनी वाद-विवाद एटा न्यायालय में तय होगा।